पाठ 2 बंधन का पंछी

वार्म अप

Points to Discuss

अध्यापन-संकेत

'वार्मअप' के माध्यम से शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पाठ-पठन एवं अधिगम (Learning) हेतु तैयार करें। यहाँ दिए गए प्रश्न संकेत मात्र हैं। पाठ की तैयारी हेतु बच्चों से अन्य रुचिकर प्रश्न पूछकर विषय पर चर्चा करें और उनमें पाठ पढ़ने की उत्कंठा उत्पन्न करें।

Scanned with CamScanner

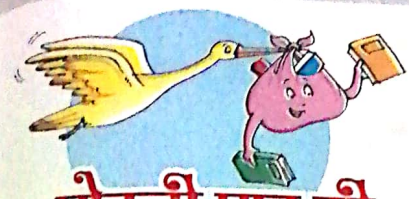

पोटली पाठ की
(About the Chapter)

करीम स्कूल में पढ़ने जाना चाहता है, पर पिता उसका स्कूल छुड़ाकर बीड़ी कारखाने में काम पर लगा देते हैं। कारखाने में काम करने के कारण करीम का बचपन छिन जाता है।

करीम के मन की व्यथा इस कहानी में पढ़िए।

बच्चों द्वारा धन कमाने के लिए काम-धंधा करने के पीछे उनकी विवशता होती है या पारिवारिक परिस्थितियाँ? विचार कीजिए।

दिन चढ़ चुका था। लड़का जल्दी-जल्दी कदम बढ़ा रहा था। अब तक उसे बीड़ी-फ़ैक्टरी में पहुँच जाना था। लेकिन रास्ते में कुछ दोस्त कंचे खेल रहे थे। उनमें वह भी शामिल हुआ। ओह! कितना अच्छा था खेल! हर बार वही जीतता था। उस जीत ने खेल में चार चाँद लगा दिए थे।

इस तरह खेल का मज़ा लेते हुए वह जा रहा था। करीम की हँसी उमड़-सी पड़ी। सभी दोस्त 'बोंडा, बोंडा' (पकौड़ा, पकौड़ा) कहकर नायडु को चिढ़ाते थे। वह अपनी मोटी देह को ढोकर, लँगड़ी-टाँग खेल में हारता हमेशा।

हँसते-हँसते, सिर नीचा करके चलते जानेवाले करीम को मंडी बाज़ार में थोड़ी दूर जाने पर किसी ने पुकारा, "करीम! करीम!" आवाज़ परिचित थी।

घूमकर देखा तो जनार्दन था, जो स्कूल जा रहा था।

करीम और जनार्दन में गहरी दोस्ती थी। दोनों एक ही दर्ज़े में पढ़ते थे।

"स्कूल जा रहे हो?" करीम ने उत्सुकता से पूछा।

"हाँ, रे!" जनार्दन ने कहा।

"इतनी जल्दी, तूफ़ान मेल की तरह निकले हो न?"

"हाँ, सामी के घर जाकर, वहाँ कुछ देर खेलकर, वहीं खाना खाकर, फिर स्कूल जाता हूँ।"

"ओह!" कहकर चुप हुए करीम ने हृदय में एक अस्पष्ट वेदना अनुभव की। स्कूल बैग लेकर जानेवाले जनार्दन को देखकर करीम को उससे जलन-सी हुई। जनार्दन को देखते-देखते, करीम को अपने स्कूल, वहाँ के दोस्त, वे खेल, एक-एक करके याद हो आए।

दोनों लड़के कुछ समय परस्पर बिना बोले चुपचाप चले। दोनों में करीम को ही बोलना पसंद नहीं आ रहा था।

Scanned with CamScanner

जनार्दन ने ही मौन को पहले तोड़ा। "क्यों रे, करीम स्कूल छोड़ दिया?" जनार्दन ने पूछा।

प्रश्न ने करीम के दुख को और बढ़ा दिया। उसने मुश्किल से कोशिश करके कहा, "अब्बा ने छुड़ा दिया।"

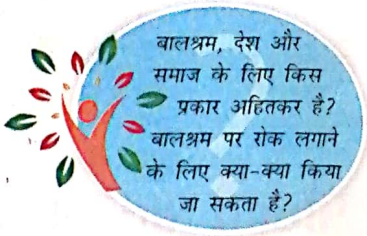

"क्यों?"

"क्यों? मुझे भी कुछ कमाना चाहिए, इसलिए स्कूल छोड़कर मुझे फ़ैक्टरी में काम पर लगा दिया।"

"छि:छि:, ऐसा नहीं करना चाहिए था तुम्हारे अब्बा को। देखो, मेरे पिता जी, मेरे छोटे चाचा जी सभी कहते हैं- "लड़कों को इस उम्र में अच्छी तरह पढ़ना चाहिए। तुम्हारे अब्बा को तुम्हें बीड़ी-कारखाने में नहीं भेजना चाहिए था।" अमीर घर के लड़के जनार्दन ने कहा।

दस वर्ष के लड़के करीम को समझ में न आने पर भी, उस समय जनार्दन की बात ही सही लगी।

दोनों लड़के तब तक चौराहे पर आ गए थे। एक रास्ता स्कूल की तरफ़ और दूसरा फ़ैक्टरी की तरफ़ जाता था, बिछुड़ने वाले उन दो दोस्तों के प्रतीक की तरह।

"तो मैं जाता हूँ रे!" कहकर जनार्दन ने स्कूल की तरफ़ हाथ करते हुए कहा, "वहाँ देखो करीम, स्कूल के पास दिखाई पड़ता है न घर, पीला घर, वही सामी का घर है। तुमने नहीं देखा है उसको, बड़ा अच्छा है। शाम को स्कूल छूटने के बाद हम सब मिलकर उसी के घर खेलते हैं। चापु (एक प्रकार का खेल), खो-खो, लँगड़ी-टाँग, कबड्डी वगैरह। अगर तुम भी आओ, तो अच्छा लगेगा।"

"अच्छा।"

दोस्त के प्यार-भरे निमंत्रण पर करीम ने कह तो दिया 'अच्छा', परंतु दूसरे ही क्षण उसे कारखाने की याद आई। वह सोचने लगा "कैसे हो सकता है?" उस कारखाने में शाम को भी काम लेते थे। कभी-कभी साढ़े सात, आठ बजे तक भी धुँधले प्रकाश के कमरे में बैठा देते थे। बीड़ी बाँधने के लिए। पत्ते कतरकर रखने का काम करीम का था। बीच में उस नरक से बाहर जाने के लिए वह कभी हिलता तो अब्बा की लाल आँखें उससे जैसे कहतीं, "चुपचाप बैठो।"

जनार्दन दूर-दूर होता जा रहा था। उस पार, दूर उसका स्कूल दिखाई दे रहा था। स्कूल को देखते-देखते करीम को लगा जैसे जीवन में उसने कुछ खो दिया है।

एक लंबी साँस छोड़कर वह अपने कारखाने की ओर चला। ऊपर-ऊपर चढ़ते सूरज को देखकर उसे डर लगने लगा। देर से जाने पर अब्बा से मार ज़रूर खानी पड़ेगी, इसलिए वह डरा। कमबख्त! कंचे खेलने नहीं जाना चाहिए था। फ़ैक्टरी की ओर कदम बढ़ाने लगा।

दस मिनट में करीम फ़ैक्टरी के सामने पहुँच गया। लड़के गुल्ली-डंडा खेल रहे थे। करीम मुग्ध होकर खेल देखने लगा। 'गुल्ली' के लिए वह चाहे खाना भी छोड़ देता, इतना मन था उसका उस खेल में। कुछ समय पहले वह सोच रहा था कि बीड़ी की फ़ैक्टरी की सीढ़ियाँ चढ़कर जाना होगा। पर बच्चों को गुल्ली-डंडा खेलते देख वह इस बात को अब मानो भूल-सा गया था।

एक, दो, तीन 'रेडी' झुककर खड़ा, डंडा हाथ में लिए गुल्ली को देखता लड़का तिम्मा रेड्डी ज़ोर से बोला।

गुल्ली को पकड़ने के लिए तैयार दूर खड़े विरोधी पक्ष के लड़के बोले– 'रेडी'।

Scanned with CamScanner

करीम का कुतूहल बढ़ा। तिम्मा कैसे मारता है, गुल्ली कितनी दूर जाती है, इसका अंदाजा करके वह गौर से देखता रहा।

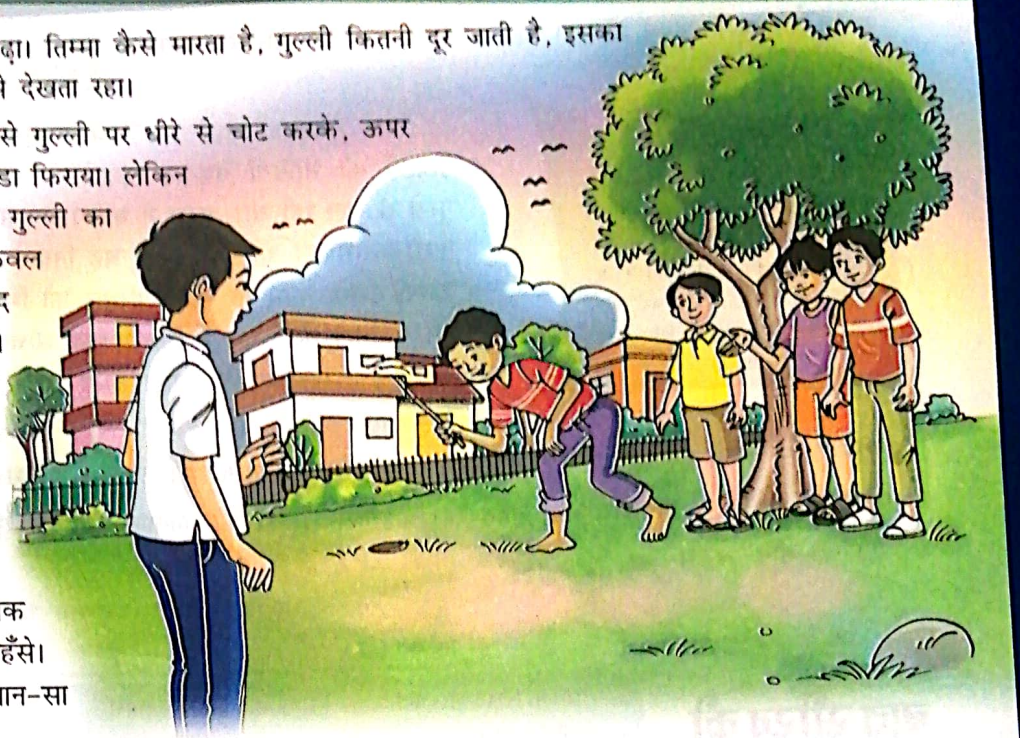

तिम्मा रेड्डी ने डंडे से गुल्ली पर धीरे से चोट करके, ऊपर उछली गुल्ली पर फिर डंडा फिराया। लेकिन उस तरह फिराए डंडे से गुल्ली का मेल नहीं हुआ। वह केवल हवा में डंडा फिराकर खुद घूमकर खड़ा हो गया। ऊपर उछली गुल्ली फिर उसी जगह गिर पड़ी, जहाँ वह पहले थी।

तब खिलखिलाकर हँस पड़ा करीम।

हँसी हमेशा संक्रामक होती है, और लड़के भी हँसे। तिम्मा रेड्डी को अपमान-सा लगा और नाराज़ हुआ।

"यह आया बड़ा आदमी। हँस रहा है जैसे बड़ा खिलाड़ी है" कहकर तिम्मा रेड्डी तमतमा उठा।

"मुझे एक बार खेलने दो तो दिखाऊँगा।" करीम ने दृढ़ निश्चय और अटल आत्मविश्वास से कहा।

"आए बड़े खिलाड़ी, मैं जानता हूँ, चुप रह!"

"एक बार खेलने का मौका देकर देखना!"

"ओ हो! आओ, चलो तुम्हारा भी खेल देखें।"

चुनौती मिलते ही करीम की बाँहें फड़फड़ाने लगीं। दूसरा कोई कहे, "तुम यह काम नहीं कर सकते।" तो वह कहता, "ज़रूर कर सकता हूँ।" ऐसी दिलेरी थी उसकी। वह जोश से आगे बढ़कर आया। रेड्डी के हाथ से डंडा लेकर उसने गुल्ली को ठीक जगह रखकर डंडे को आराम से फिराते हुए हुँकारकर कहा– 'रेडी!' दूर खड़े हुए लड़कों ने भी कहा– 'रेडी!'

करीम ने डंडे से गुल्ली को उठाकर ऐसा मारा कि वह 'ठन' आवाज़ करके लड़कों के सिरों पर से उड़कर दूर रास्ते के नाले में जा गिरी।

लड़कों की टोली ने करीम के लिए तालियाँ बजाईं और मुग्ध होकर 'शाबाश' कहा।

अवाक् खड़े तिम्मा रेड्डी के हाथ में डंडा देते समय करीम के चेहरे पर ऐसे सेनापति का विजयोत्साह चमक रहा था, जैसे वह हज़ार लड़ाइयाँ जीतकर आया हो।

विजयी शेर की तरह करीम, जब फूल रहा था, तब उसके अब्बा ने फ़ैक्टरी के दरवाज़े पर खड़े होकर डाँटा, "बेवकूफ़! क्या कर रहा है वहाँ? यहाँ फ़ैक्टरी में बहुत काम पड़ा हुआ है।

Scanned with CamScanner

करीम की खुशी गायब हो गई। वह भयभीत अब्बा की ओर देख रहा था। उसके मुँह से बोल नहीं निकल पा रहा था।

बात पते की

2014 के नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्तकर्ता कैलाश सत्यार्थी ने 1980 में 'बचपन बचाओ आंदोलन' संस्था की स्थापना की। तब से वे विश्वभर के 144 देशों में 83,000 से अधिक बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए कार्य कर चुके हैं।

"अरे बेवकूफ़! यहाँ आ।" अब्बा ने बुलाया। डरते-डरते करीम फ़ैक्टरी की सीढ़ियाँ चढ़कर दरवाज़े के पास गया। अब्बा की आँखें गुस्से से जल रही थीं। अब्बा ने करीम के गाल पर ज़ोर से एक तमाचा मारा। करीम की आँखों से आँसू बह निकले। "लड़के के अविवेक के कारण उसके काम के बदले परिवार को मिलनेवाले पैसों में से कुछ पैसे न मिले तो।" इस तरह की बात सोचनेवाले पिता की दृष्टि पुत्र के आँसुओं की ओर नहीं गई। उसने लड़के के आगे कुछ पत्ते और कैंची फेंक दी।

करीम आँसू बहाते हुए पत्ते कतरने लगा। बाहर खेलनेवाले लड़कों की टोली से आवाज़ सुनाई दे रही थी। करीम की आँखों से लगातार आँसू बहते रहे। बाहर से लड़कों की आवाज़ बार-बार सुनाई पड़ती रही, "एक-दो-तीन"-रेडी।

—चदुरंग

बात सीख की (Values)

- स्कूली शिक्षा पर बल
- चुनौती स्वीकारना
- परिश्रमशीलता
- आत्मविश्वास
- दृढ़ निश्चय
- प्रेम का प्रसार

शब्दार्थ (Word Meanings)

वेदना = चुभन (anguish); **मुग्ध** = तल्लीन, मोहित (captivated); **तमतमा उठा** = क्रोधित हो उठा (got annoyed); **अटल आत्मविश्वास** = न डिगनेवाला आत्मविश्वास (unshakable confidence); **चुनौती** = ललकार (challenge) **अविवेक** = अज्ञान (ignorance); **दृष्टि** = ध्यान (glance)

अभ्यास

बात पाठ की

मौखिक (Oral Expression)

1. लड़का जल्दी-जल्दी कदम क्यों बढ़ा रहा था?
2. करीम की हँसी क्यों उमड़ पड़ी?
3. जनार्दन को देखकर करीम को क्या याद आ गया?
4. करीम के अब्बा ने उसका स्कूल क्यों छुड़ा दिया?

Scanned with CamScanner

K. Padmini Shankar

लिखित (Written Expression)

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

सही उत्तर के सामने ✓ लगाइए–

1. करीम कहाँ काम करता था?
   (क) दुकान में ◯ (ख) ढाबे में ◯
   (ग) बीड़ी फ़ैक्टरी में ◯ (घ) सिगरेट फ़ैक्टरी में ◯
2. करीम को मंडी बाज़ार में किसने पुकारा?
   (क) जनार्दन ने ◯ (ख) सामी ने ◯
   (ग) करीम के अब्बा ने ◯ (घ) करीम के अध्यापक ने ◯
3. जनार्दन कहाँ जा रहा था?
   (क) घर ◯ (ख) स्कूल ◯
   (ग) फ़ैक्टरी ◯ (घ) बाज़ार ◯
4. जनार्दन स्कूल छूटने के बाद कहाँ खेलने जाता था?
   (क) अपने घर ◯ (ख) करीम के घर ◯
   (ग) सामी के घर ◯ (घ) खेल के मैदान में ◯

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. लड़के नायडु को क्या कहकर चिढ़ा रहे थे?
   .....
2. किनमें गहरी दोस्ती थी?
   .....
3. जनार्दन ने करीम से क्या पूछा?
   .....
4. करीम को किस बात का दुख था?
   .....
5. क्या देखकर करीम का कुतूहल बढ़ा?
   .....
6. करीम बीड़ी फ़ैक्टरी में क्या करता था?
   .....

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

1. करीम को जनार्दन की कौन-सी बात सही लगी और क्यों?
2. ऊपर चढ़ते सूरज को देखकर करीम क्या सोचने लगा?
3. किस बात से पता चलता है कि करीम का आत्मविश्वास अटल था?
4. करीम की खुशी कब गायब हो गई और क्यों?
5. "हँसी हमेशा संक्रामक होती है।" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

Scanned with CamScanner

अर्थ-ग्रहण संबंधी प्रश्न (Questions Based on Comprehension)

एक लंबी साँस छोड़कर वह अपने कारखाने की ओर चला। ऊपर-ऊपर चढ़ते सूरज को देखकर उसे डर लगने लगा। देर से जाने पर अब्बा से मार ज़रूर खानी पड़ेगी, इसलिए वह डरा।

1. कारखाने की ओर कौन चल दिया?
2. उसे क्या देखकर डर लगने लगा?
3. वह किस बात से डर रहा था?
4. विशेषण बनाइए– (i) ऊपर – ..... (ii) डर – .....

बात भाषा की

* एक से अधिक व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन **संयुक्ताक्षर** कहलाते हैं; जैसे– स्त, क्त, क्य, प्य, आदि।
जब एक ही वर्ण दो बार ('अ' रहित + अ सहित) मिलता है, तो वह **द्वित्व व्यंजन** कहलाता है; जैसे– त्त, न्न, च्च, ब्ब आदि।

1. नीचे दिए गए संयुक्ताक्षरों तथा द्वित्व व्यंजनों से तीन-तीन शब्द बनाइए–

(क) क्ट – ....
(ख) स्त – ....
(ग) ष्ट – ....
(घ) ड्ड – ....
(ङ) त्त – ....

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) दिन – .....
(ख) जीत – .....
(ग) हँसना – .....
(घ) दोस्ती – .....
(ङ) पसंद – .....
(च) प्रकाश – .....
(छ) ऊपर – .....
(ज) विवेक – .....

* जब स्वर रहित 'र' (र्) किसी अन्य स्वर सहित वर्ण के साथ संयुक्त होता है तो र का यह रूप '**रेफ़**' कहलाता है। रेफ़ वर्णों के ऊपर लगता है; जैसे– कर्म, तर्क, मिर्च आदि।
जब स्वर सहित 'र' किसी स्वर रहित वर्ण के साथ संयुक्त होता है, तो र का यह रूप 'पदेन' कहलाता है। यह वर्णों के नीचे लगता है; जैसे– ट्रक, क्रम, प्रण आदि।

3. पाठ से दो रेफ़ युक्त तथा दो पदेन युक्त शब्द चुनकर लिखिए–

रेफ़ – .... पदेन – ....

* शब्दों के जोड़े **शब्द-युग्म** कहलाते हैं। ये कई प्रकार के होते हैं; जैसे– सजातीय शब्द-युग्म (दूध-दही), समानार्थक शब्द-युग्म (बाल-बच्चे), मिलती-जुलती ध्वनिवाले शब्द-युग्म (हिसाब-किताब), निरर्थक शब्द-युग्म (हक्का-बक्का), विपरीतार्थक शब्द-युग्म (हँसना-रोना) आदि।

4. निम्नलिखित शब्दों में दूसरा शब्द जोड़कर युग्म बनाइए–

(क) हँसते – .....
(ख) अच्छा – .....
(ग) पेड़ – .....
(घ) खेलते – .....
(ङ) आते – .....
(च) मार – .....

Scanned with CamScanner

* अपने सामान्य अर्थ से पृथक कोई विशेष अर्थ देनेवाले वाक्यांश **मुहावरे** कहलाते हैं; जैसे– 'अंधे की लाठी' शब्दों की दृष्टि से इसका अर्थ है– अंधे द्वारा प्रयोग की जानेवाली लाठी परंतु इस वाक्यांश का अर्थ है– एकमात्र सहारा।

5. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) तमतमा उठना – .....

.....

(ख) फूल उठना – .....

.....

(ग) चार चाँद लगाना – .....

.....

* उपसर्ग वे शब्दांश होते हैं जो शब्दों के प्रारंभ में लगकर अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला देते हैं; जैसे– अ + स्वस्थ = अस्वस्थ। यहाँ 'अ' उपसर्ग है।

6. निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए–

	उपसर्ग		शब्द		निर्मित शब्द
(क)	.....	+	एक	=	.....
(ख)	.....	+	स्पष्ट	=	.....
(ग)	.....	+	पसंद	=	.....
(घ)	.....	+	समझ	=	.....
(ङ)	.....	+	जीव	=	.....

बारी अब करने की

पत्र लिखिए

* किसी परिचित बाल-मज़दूर के बारे में बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

अनुभव बताइए

* कभी-कभी खेलते समय आपके साथ कुछ विशेष घटनाएँ होती होंगी। कुछ अनुभव कक्षा में बताइए।

सहपाठियों के साथ चर्चा कीजिए

* आप अपने आस-पास बच्चों को क्या-क्या कार्य करते देखते हैं? ऐसे किन्हीं दो बच्चों से वार्तालाप कीजिए और उसपर अपने सहपाठियों से चर्चा कीजिए कि उन बच्चों को किन कारणों से पढ़ने-लिखने की आयु में धन कमाने हेतु कार्य करना पड़ रहा है।

जानकारी प्राप्त कीजिए

* इंटरनेट की सहायता से 'भारत में बाल मज़दूरी' विषय पर जानकारी प्राप्त करके चित्र सहित एक परियोजना (Project) तैयार कीजिए। आधार– www.wikipedia.org/wiki/Child_labour_in_India

Scanned with CamScanner